SUB. : Hindi
STD. : 10 (English)
TIME: 3 hrs
DATE: 23-Sep-2021

www.scholarsclasses.com/blog **Marks: 80**

विभाग १ - गदय : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

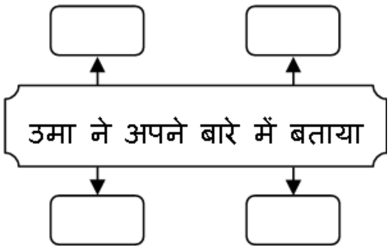

Ans.

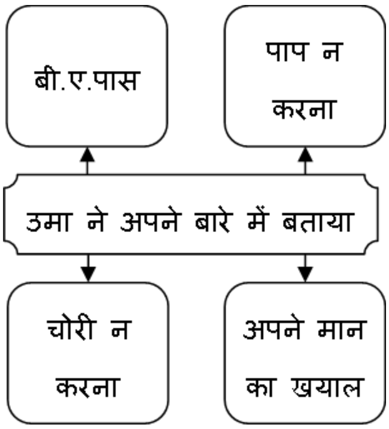

उमाः अब मुझे कह लेने दीजिए बाबू जी ।
गो. प्रसादः (ताव में आकर) बाबू रामस्वरूप, आपने मेरी इज्जत उतारने के लिए मुझे यहाँ बुलाया था?
उमाः (तेज आवाज में) जी हाँ, और हमारी बेइज्जती नहीं होती जो आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं ?
शंकरः बाबू जी, चलिए ।
गो. प्रसादः क्या तुम कॉलेज में पढ़ी हो? (रामस्वरूप चुप)
उमाः जी हाँ, मैं कॉलेज में पढ़ी हूँ । मैंने बी.ए. पास किया है । कोई पाप नहीं किया, कोई चोरी नहीं की और न आपके पुत्र की तरह लड़कियों के होस्टल में ताक-झाँककर कायरता दिखाई है । मुझे अपनी इज्जत, अपने मान का खयाल तो है । लेकिन इनसे पूछिए कि ये किस तरह नौकरानी के पैरों में पड़कर अपना मुँह छिपाकर भागे थे ।
रामस्वरूपः उमा, उमा !!
गो. प्रसादः (खड़े होकर गुस्से में) बस हो चुका । बाबू रामस्वरूप आपने मेरे साथ दगा किया । आपकी लड़की बी.ए. पास है और आपने मुझसे कहा था कि सिर्फ मैट्रिक तक पढ़ी है । (दरवाजे की ओर बढ़ते हैं ।)
उमाः जी हाँ, जाइए, जरूर चले जाइए ! लेकिन घर जाकर जरा यह पता लगाइएगा कि आपके लाड़ले बेटे के रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं- याने बैकबोन, बैकबोन-[बाबू गोपाल प्रसाद के चेहरे पर बेबसी का गुस्सा है और उनके लड़के के रुलासापन । दोनों बाहर चले जाते हैं ।

A2) वाक्य पूर्ण कीजिए :- 2

1)
i. आप इतनी देर से नाप-तौल / लेखा - जोखा कर रहे हैं|
ii.मुझे अपनी प्रतिष्ठा / इज्जत अपने मन का खयाल तो है|

Ans.
i. आप इतनी देर से नाप-तौल कर रहे हैं|
ii.मुझे अपनी इज्जत अपने मन का खयाल तो है|

2)

i. अपने मुझसे कहा था कि सिर्फ .... तक पढ़ी है | (मैट्रिक / बी.ए./एम.ए.)
ii.आपके .... बेटे के रीढ़ की हड्डी भी\ है या नहीं | (प्यारे / लाड़ले / दुलारे)

Ans.
i. अपने मुझसे कहा था कि सिर्फ मैट्रिक तक पढ़ी है |
ii.आपके लाड़ले बेटे के रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं।

A3) दिए गए अव्ययों से वाक्य बनाइए। 2

1) और।

Ans. मोहन और सोता भाई बहन हैं।

2) साथ।

Ans. लड़के साथ उसके पिताजी भी आए।

A4) स्वमत :- 2

समाज के भीतर बदलते रिश्ते और मानवीय संबंधो पर 8 से 10 वाक्यों में अपने विचार लिखिए |

Ans. समाज के भीतर बदलते रिश्ते और मानवीय संबंध आज समाज में आडंवर व्याप्त हो गया है | लोग दिखावापन ज्यादा करने लगे हैं | अधिकतर रिश्ते स्वार्थ पर आधारित हो गए हैं| जब तक परिवार में या रिश्तेदारी में कोई स्वार्थ रहता है तब तक तो संबंध बरकरार रहाता है | स्वार्थ पूर्ति होने पर या न होने पर संबंध दिखाने के लिए आडंवर बहुत करते है परंतु मन में वह भाव नहीं करते | सेवा की भावना लोगों के मन से समाप्त हो गई है | सहयोग और सेवा के पीछे भी स्वार्थ की भावना छिपी रहती है |

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः-

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

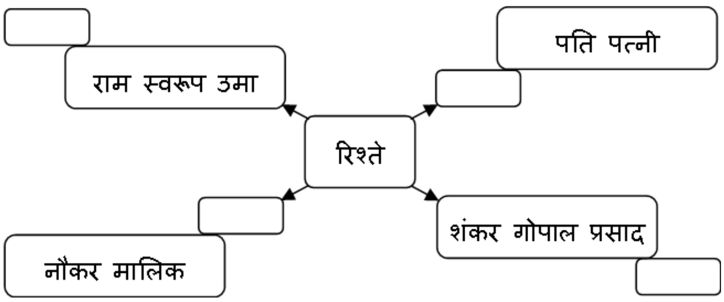

Ans.

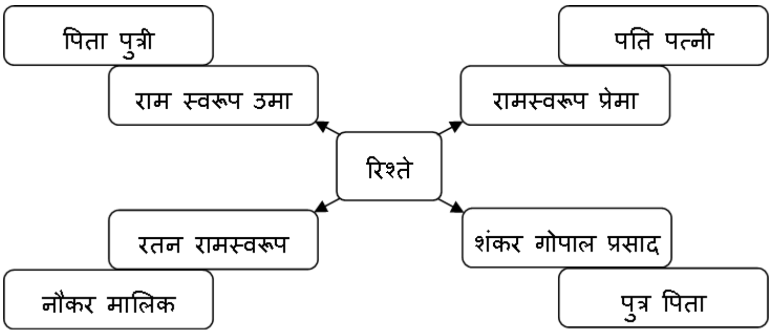

रामस्वरूपः (दरवाजे से बाहर झाँककर) अरे प्रेमा, वे आ भी गए । ... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी ।
रामस्वरूपःहँ-हँ-हँ । आइए, आइए ! [बाबू गोपाल प्रसाद बैठते है ।] हँ हँ !... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई ?
गो. प्रसादः (खँखारकर) नहीं । ताँगेवाला जानता था । रास्ता मिलता कैसे नहीं?
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! (लड़के की तरफ मुखातिब होकर) और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?
शंकरः जी, कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं हैं । 'वीक एंड' में चला आया था ।
रामस्वरूपः तो आपके कोर्स खत्म होने में तो अब साल भर रहा होगा?
शंकरः जी, यही कोई साल-दो साल ।
रामस्वरूपः साल, दो साल?
शंकरः हँ-हँ-हँ !... जी एकाध साल का 'मार्जिन' रखता हूँ ।
गो. प्रसादः (अपनी आवाज और तरीका बदलते हुए) अच्छा तो साहब, फिर 'बिजनेस, की बातचीत हो जाए ।
रामस्वरूपः (चौंककर) बिजनेस'?- (समझकर) ओह !... अच्छा, अच्छा। लेकिन जरा नाश्ता तो कर लीजिए ।
गो. प्रसादः यह सब आप क्या तकल्लुफ करते हैं !
रामस्वरूपः हँ-हँ-हँ ! तकल्लुफ किस बात का। यह तो मेरी बड़ी तकदीर है कि आप मेरे यहाँ तशरीफ लाए । (अंदर

जाते हैं।)
गो. प्रसादः (अपने लड़के से) क्यों, क्या हुआ ?
शंकरः कुछ नहीं ।
गो. प्रसादः झुककर क्यों बैठते हो ? ब्याह तय करने आए हो, कमर सीधी करके बैठो । तुम्हारे दोस्त ठीक कहते हैं कि शंकर की 'बैकबोन'-[इतने में बाबू राम स्वरूप चाय की 'ट्रे' लाकर मेज पर रख देते हैं।]

A2) i) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। 1

i. गोपालप्रसाद को मकान ढूँढ़ने में तकलीफ हुई।
ii.कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं है।

Ans.
i. गोपालप्रसाद को मकान ढूँढ़ने में तकलीफ हुई - **असत्य।**
ii.कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं है - **सत्य।**

ii) निम्न शब्दों के लिए प्रश्न तैयार कीजिए :- 1

i. साल।
ii.ब्याह।

Ans.
i. बारह महीने को एक शब्द में क्या कहते हैं ?
ii.१२ मई को तुम्हारे घर में क्या था ?

A3) i) परिच्छेद में प्रयुक्त अंग्रेजी के शब्द लिखिए | 1

i. ....।
ii...............।

Ans.
i. वीक एंड।
ii.बैकबोन।

ii) मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लिखिए | 1

i. अन्दर - ....।
ii.शक्ङर - ....।

Ans.
i. अन्दर - **अंदर।**
ii.शक्ङर - **शंकर।**

A4) स्वमत :- 2

'महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं' इस विषय पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए |

Ans. 'महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है | आधुनिक युग में महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं हैं | उच्च शिक्षा के कारण जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएँ पहुँच रही हैं | स्कूल हो, कॉलेज हो या विश्वविद्यालय हो, आज हर जगह महिलाएँ पढ़ रही हैं | आफिस हो या बैंक, वे बड़ी ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभा रही है | आज महिलाएँ ड्राइविंग कर रही है, पुलिस और सेना में भर्ती होकर देश की सेवा कर रही हैं | आज वे घर की चारदिवारी के अंदर कैद नहीं है | समाज सेवा हो या राजनीति हो, वकालत करनी हो या न्यायाधीश का पद हो, मेडिकल क्षेत्र हो या राजनीति हो | कोई भी क्षेत्र महिलाओं से अछूता नहीं है |

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1 **A1)** i) पद्यांश में प्रयुक्त दो भाषाओं के नाम लिखिए | 1

१. .... २. ....

Ans. १. हिंदी २. ऊर्दू

ii) उत्तर लिखिए :- 1

लखनऊ इसके लिए विश्वप्रसिद्ध है।

Ans. १. दशहरी आम के बाग
२. लजीज व्यंजन
३. चिकन की कढ़ाई

भारत के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है। लखनऊ उस क्षेत्र में स्थित है जिसे

ऐतिहासिक रूप से अवध क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। यह हमेशा से बहु सांस्कृतिक शहर रहा है। नजाकत और तहज़ीब वाली यह नगरी दशहरी आम के बाग, लज़ीज व्यंजन तथा चिकन की कढ़ाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह हिंदी और ऊर्दू साहित्य के केंद्रो में से एक है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी लखनऊ को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। इन नगरी में छोटा इमाम बाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा रेजीडेंसी, शहीद स्मारक जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

A2) स्वमत :- 2

'ताजमहल' के विषय में पाँच - छह वाक्य लिखिए।

Ans. ताजमहल विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्मारक है। संसार के आठ आश्चर्यों में ताजमहल को स्थान प्राप्त है। मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज की स्मृति में बनवाया था। ताजमहल सफेद संगमरमर पत्थर से बनाया गया है। ताजमहल शरद पूर्णिमा की रात कों चंद्रमा की चाँदनी में अत्यंत भव्य एवं सुंदर दिखाई देती है। ताजमहल को देखने के लिए देश - विदेश से लोग आते है। ताजमहल के चारों ओर बने बगीचे इसकी सुंदरता में चार चाँद लगा देते है। ताजमहल के पास यमुना नदी भी बहती है।
इस तरह ताजमहल अत्यंत सुंदर इमारत है।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1)

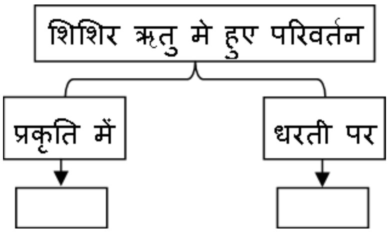

Ans.

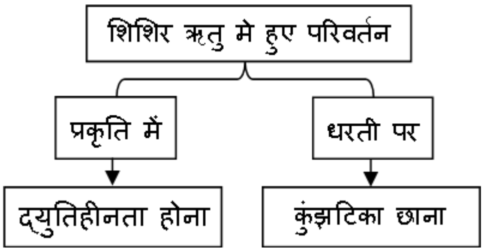

2) पद्मदल तलों में बिलखाते है - ______

Ans. पद्मदल तलों में बिलखाते है - **जब तुषार पड़ता है |**

बीत गया हेमंत भ्रात, शिशिर ऋतु आई !
प्रकृति हुई द्युतिहीन, अवनि में कुंझटिका है छाई |

पड़ता खूब तुषार पद्मदल तालों में बिलखाते,
अन्यायी नृप के दंडों से यथा लोग दुख पाते |

निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं,
बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं |

अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता,
शून्य गगन मंडल को लख यह माँ में है भय पाता |

A2) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। 2

1) लोग दिन में घरों में सोते है

Ans. लोग दिन में घरों में सोते है - **असत्य**

2) शून्य गगन मंडल को देखकर मन डरता है |

Ans. शून्य गगन मंडल को देखकर मन डरता है | - **सत्य**

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

निशा काल में लोग घरों में निज-निज जा सोते हैं,
बाहर श्वान, स्यार चिल्लाकर बार-बार रोते हैं | अर्द्धरात्रि को घर से कोई जो आँगन को आता,

शून्य गगन मंडल को लख यह माँ में है भय पाता |

Ans. कवि कहते है कि सरदी के मौसम में अत्यधिक सरदी के कारण लोग रात्रि में जल्दी सो जाते है लेकिन इस सरदी को सहन न कर पाने के कारण कुत्ते और सियार चिल्लाकर बार - बार रोते है आधी रात में यदि कोई घर से बाहर आँगन में निकल कर आता है तो आकाश का खालीपन उसके मन में भय उत्पन्न कर देता है अर्थात लोग घरोंसे बाहर निकलने के लिए भी डरते है |

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(6)**

1 **A1)** अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1)

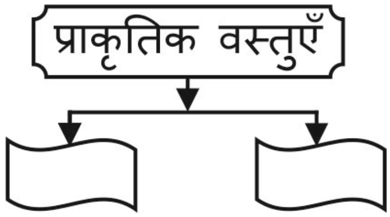

Ans.

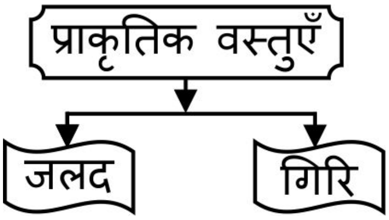

2)

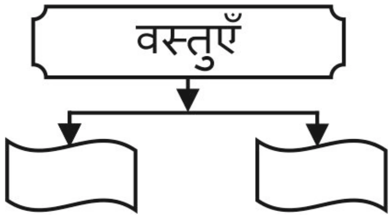

Ans.

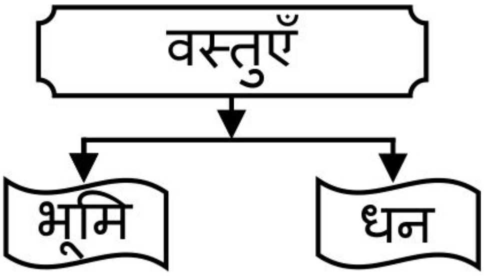

घन घमंड नभ गरजत घोरा | प्रिया हीन डरपत मन मोरा ||
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं | खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं ||
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ | जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ ||
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे | खल के बचन संत सह जैसे ||

A2) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- 2

1) निम्र अर्थ को प्रकट करने वाली पक्तियाँ लिखिए :
विद्वान् विद्या पर विनम्र हो जाता है ....

Ans. विद्वान् विद्या पर विनम्र हो जाता है **जथा नवहि बुधविद्या पाएँ**

2) निम्र अर्थ को प्रकट करने वाली पक्तियाँ लिखिए :
दुष्ट का प्रेम स्थिर नहीं रहता है ....

Ans. दुष्ट का प्रेम स्थिर नहीं रहता है **खल कै प्रीति जथा धिर नाही**

A3) भावार्थ लिखिए :- 2

घन घमंड नभ गरजत घोरा | प्रिया हीन डरपत मन मोरा ||
दामिनि दमक रहहिं घन माहीं | खल कै प्रीति जथा थिर नाहीं ||
बरषहिं जलद भूमि निअराएँ | जथा नवहिं बुध विद्या पाएँ ||
बूँद अघात सहहिं गिरि कैसे | खल के बचन संत सह जैसे ||

Ans. जब बादल ज़ोर–ज़ोर से गरजते है तो उनकी घोर गर्जना के कारण अपनी प्रिय के अभाव में मेरा मन अत्यंत भयभीत हो जाता है | बादलों के बीच में बिजली चमकती है, जिस तरह दुष्टो के प्रेम कभी स्थिर नहीं होते | जब बादलों

को बरसना होता है तो विनम्र हो जाते है, वे झुक जाते है, उनकी ऊंचाई कम हो जाती है, धरती के नजदीक आ जाते हैं, जिस तरह विध्वान लोग अपने ज्ञान का अहंकार नहीं करते बल्कि विनम्र हो जाते हैं | बुँदो के छोट पर्वत उसी तरह सहन करते हैं जिस तरह दुष्टों की कटुवाणी को संत लोग सहन कर लेते है |

विभाग ३ - पूरक पठन : 8 अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(4)**

1 **A1)** कारण लिखिए :- 2

1) लाडली को नींद नही आ रही थी - ....

Ans. लाडली को नींद नही आ रही थी - **उसकी दादी बूढ़ी काकी भूखी थी और वह उन्हे पूढ़ियॉ खिलाना चाहती थी।**

2) लाडली ने अपनी पूड़ियाँ चिपाकर रखी - ....

Ans. लाडली ने अपनी पूड़ियाँ चिपाकर रखी - **बूढ़ी काकी को खिलाने के लिए।**

पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही क्रोध से तिलमिला गए । पूड़ियों का थाल लिए खड़े थे । थाल को जमीन पर पटक दिया और जिस प्रकार निर्दयी महाजन अपने किसी बेईमान और भगोड़े कर्जदार को देखते ही झपटकर उसका टेंटुआ पकड़ लेता है उसी तरह लपक उन्हें अंधेरी कोठरी में धम से पटक दिया । आशा रूपी वाटिका लू के एक झोंके में नष्ट -विनष्ट हो गई ।

मेहमानों ने भोजन किया । घरवालों ने भोजन किया परंतु बूढ़ी काकी को किसी ने न पूछा । बुद्धिराम और रूपा दोनों ही बूढ़ी काकी को उनकी निर्लज्जता के लिए दंड देने का निश्चय कर चुके थे । उनके बुढ़ापे पर, दीनता पर, हतज्ञान पर किसी को करुणा न आई थी, अकेली लाड़ली उनके लिए कुढ़ रही थी ।

लाड़ली को काकी से अत्यंत प्रेम था । बेचारी भोली लड़की थी । बालविनोद और चंचलता की उसमें गंध तक न थी । दोनों बार जब उसके माता-पिता ने काकी को निर्दयता से घसीटा तो लाड़ली का हृदय ऐंठकर रहगया । वह झुँझला रही थी कि यह लोग काकी को क्यों बहुत-सी पूड़ियाँ नहीं दे देते । उसने अपने हिस्से की पूड़ियाँ बिलकुल न खाई थीं । अपनी गुड़ियों की पिटारी में बंद कर रखी थीं । उन पूड़ियों को काकी के पास ले जाना चाहती थी । उसका हृदय अधीर हो रहा था । बूढ़ी काकी मेरी बात सुनते ही उठ बैठेंगी, पूड़ियाँ देखकर कैसी प्रसन्न होंगी ! मुझे खूब प्यार करेंगी ।

रात के ग्यारह बज गए थे । रूपा आँगन में पड़ी सो रही थी । लाड़ली की आँखों में नींद न आती थी । काकी को पूड़ियाँ खिलाने की खुशी उसे सोने न देती थी । उसने पूड़ियों की पिटारी सामने ही रखी थी । जब विश्वास हो गया कि अम्मा सो रही हैं, तो अपनी पिटारी उठाई और बूढ़ी काकी की कोठरी की ओर चली ।

सहसा उनके कानों में आवाज आई-"काकी, उठो मैं पूड़ियाँ लाई हूँ ।" काकी ने लाड़ली की बोली पहचानी । चटपट उठ बैठीं । दोनों हाथों से लाड़ली को टटोला और उसे गोंद में बैठा लिया । लाड़ली ने पूड़ियाँ निकालकर दीं ।

काकी ने पूछा-"क्या तुम्हारी अम्मा ने दी हैं ?"

लाड़ली ने कहा-"नहीं, यह मेरे हिस्से की हैं ।"

काकी पूड़ियों पर टूट पड़ीं । पाँच मिनट में पिटारी खाली हो गई ।

लाड़ली ने पूछा-"काकी, पेट भर गया ।"

जैसी थोड़ी-सी वर्षा, ठंडक के स्थान पर और भी गर्मी पैदा कर देती है उसी भाँति इन थोड़ी पूड़ियों ने काकी की क्षुधा और इच्छा को और उत्तेजित कर दिया था । बोली-"नहीं बेटी, जाकर अम्मा से और माँग लाओ ।"

लाड़ली ने कहा-"अम्मा सोती हैं, जगाऊँगी तो मारेंगी ।"

काकी ने पिटारी को फिर टटोला । उसमें कुछ खुरचन गिरे थे । उन्हें निकालकर वे खा गईं । बार-बार होंठ चाटती थीं, चटखारें भरती थीं ।

A2) स्वमत :- 2

'बच्चों का अपने दादा-दादी से लगाव होता है' इस विचार को स्पष्ट की जिए।

Ans. बच्चों को बचपन से हो दाद-दादी का स्नेह भरपूर मिलता है। माता-पिता से भी ज्यादा बच्चों को अपने दादा-दादी से लगाव होता है कारण दादा-दादी उन्हें माँ-बाप की डाँट बचाते है, उनकी इच्छाएँ पूर्ण करने के साथ-साथ भरपूर प्यार देते है। दादा-दादी की छाया में बच्चा अपने को सुरक्षित महसूस करता है। इसलिए बच्चों को दादा-दादी से विशष लगाव होता है।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :- **(4)**

1 **A1)** i) परिणाम लिखिए :- 1

i. सितारों का छिपना।
ii.तुम्हारा गीतों को स्वर।

Ans.

i. आकाश का सूना होना |
ii.गीतों का अमर हो जाना |

ii) उत्तर लिखिए :- 1

निम्न पंक्तियों से मिलने वाला संदेश लिखिए।
सितारे छिपे बादलों की ओट में।

Ans. सुख, दुख की छाया में छिपकर जीवन को उदास बना देता है |

चलती साथ पटरियाँ रेल की फिर भी मौन ।	
	सितारे छिपे बादलों की ओट में सूना आकाश ।
तुमने दिए जिन गीतों को स्वर हुए अमर ।	
	सागर में भी रहकर मछली प्यासी ही रही ।

A2) स्वमत :- 2

'जीवन सुख - दुख का संगम है " इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए |

Ans. हर सिक्के के दो पहलू होते है उसी तरह जीवन के भी दो पहलू हैं सुख और दुख | मनुष्य को उसके कर्मो के हिसाब से ही सुख और दुख की प्राप्ति होती है | कभी वह सुख में प्रसन्न होता है तो दुख में निराश | मानव जीवन में सुख के बाद दुख तो दुख के बाद सुख का आगमन होता ही है | इस लिए सच है कि जीवन सुख दुख का संगम है |

विभाग ४ - भाषा अध्यन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :- **(1)**

यहॉ हमने डॉल्फिन मछलियाँ देखी ।

Ans. i. यहॉ – क्रियाविशेषक अव्यय
ii. मछलियाँ – जातिवाचक संज्ञा

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :- **(1)**

(i) जो -

Ans. बाबूजी का एक तरीका था जो अपने आप आकर्षित करता था।

(ii) के लिए

Ans. पिताजी का रोकना ही मेरे लेखक **के लिए** अच्छा हुआ|

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :- **(1)**

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	काल + अंतर	....
ii)	पर + उपकार	....

Ans.

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) कालांतर	काल + अंतर	स्वरसंधि
ii) परोपकार	पर + उपकार	स्वरसंधि

(4) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए (कोई एक) :- **(1)**

(i) रमेश अचानक गिर पड़ा।

Ans. पड़ा - पड़ना

(ii) इसके बाद हम लोग दिन भर पणजी शहर देखते रहे ।

Ans. रहे ('रहना')

(5) **'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए (कोई एक) :-** **(1)**

शब्द	प्रथम प्रेरनार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
जीतना	....	....

Ans.

शब्द	प्रथम प्रेरनार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
जीतना	**जिताना**	**जितवाना**

(6) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-** **(1)**

तुम दिन भर अमीर आदमी बनने के बारे में ही सोचते रहते हो।
(सपने देखना, सपने सँजोना)

Ans. तुम दिन भर अमीर आदमी बनने का सपना देखते हो।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) खेद होना -

Ans. खेद होना - पश्चात्ताप होना।
वाक्य - काकी को जूठी पत्तलों में पुडियाँ खाते देख रुपा को बहुत खेद हुआ।

2) तशरीफ लाना -

Ans. तशरीफ लाना - आगमन होना।
वाक्य - आप बहुत दिनों के बाद मेरे यहाँ तशरीफ लाए |

(7) **वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए :-** **(1)**

1) राम ने रावण को लंका मे बाण से मारा |

Ans. i. राम ने - कर्ता
ii. रावण को - कर्म
iii. लंका में - अधिकरण
iv. बाण से - करण

2) अपने पास एक डायरी रखते थे।

Ans. अपने पास - संबंधकारक

(8) **वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए :-** **(1)**

1) दाता होगा तो दे देगा खाता होगा तो खाएगा

Ans. दाता होगा तो दे देगा, खाता होगा तो खाएगा|

2) मैंने इसी समय यानी सन् १९३० में कबीर का रहस्यवाद लिखा

Ans. मैंने इसी समय, यानी सन् १९३० में 'कबीर का रहस्यवाद' लिखा।

(9) **सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (कोई दो) :-** **(2)**

(i) बेचारी को आराम मिलेगा। (सामान्य भूतकाल)

Ans. बेचारी को आराम मिला।

(ii) उसने रोमांचक दृश्य देखा| (अपूर्ण भूतकाल)

Ans. वह रोमांचक दृश्य देख रहा था ।

(iii) जीवनशास्त्री मशवरा देते है। (सामान्य भूतकाल)

Ans. जीवनशास्त्री ने मशवरा दिया ।

(10) **(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :-** **(1)**
पिताजी ने मुझे सामाजिक आंदोलनों में जाने से नहीं रोका|

Ans. निषेधार्थक

(ii) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए :- **(1)**
तुम्हें शीघ्रता से जाना चाहिए। (विधानार्थक वाक्य)

Ans. तुम शीघ्रता से जाओ।

(11) **वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए :-** **(2)**

(i) सास अपना बेटी को भी ले आई है।

Ans. सास अपनी बेटी को भी ले आई है।

(ii) माँ के आँखों में आँसू आई।

Ans. माँ की आँखों में आँसू आए।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 **(अ)** **(1) पत्र लेखन -** **(5)**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए : -

प्रभादेवी, स्टेशन रोड कानपुर को / खेल सामग्री मँगवाने हेतु / 24/103 प्रयागराज से पत्र लिखता / लिखती है | सुशील / सुशीला चौबे |

Ans.

खेल सामाग्री प्रेषित करें |			**संख्या**
1)	फुटबॉल	-	2
2)	वॉलीबॉल	-	3 नेट – 1
3)	हॉकी स्टिक	-	2
4)	बेट	-	3
5)	क्रिकेट बॉल	-	2

उचित कमीशन प्रदान करते हुए शीघ्रहि शीघ्र प्रेषित |

OR

केशवसृष्टि, गणेशगंज, नालासोपारा ठाणे से मोहिनी / मोहित भानुशाली, 302 / 1105, दर्शनपुरवा, कानपुर निवासी अपनी सहेली मित्र गोपाल / गुड़िया चौबे को अपने बड़े भाई की शादी में सम्मिलित होने के लिए पत्र लिखता / लिखती है।

Ans. बड़े भाई की शादी 4 मई 2020 को ----- बारात कौशांली के लिए रवाना होगी ----- आपकी उपस्थिति एक दिन पूर्व ----- शादी में खूब आनंद ----- हम सभी मित्रा एक लाभ |

(2) गदय आकलन - **(4)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

भाग्य पर विश्वास करने वालों का दावा है कि पिछले जन्मों के कर्मों के अनुसार सफलता या असफलता मिलती है और सुख-दुख आते हैं। कई बार भरकर प्रयत्न करने के बाद भी व्यक्ति असफल हो जाता है, तो दुखी हो उठता है। यह मानने के लिए उसे व्यावाहारिक ज्ञान, सूझ-बूझ, धैर्य, आत्मविश्वास, एकाग्रता आदि कई गुण आवश्यक है। काम को बिना समझे, गलत ढंग से, उचट मन से, उद्देश की पूरी और स्पष्ट जानकारी पाए बिना कितना भी परिश्रमपूर्वक किया जाय, तो भी सफलता मिलना संभव नहीं होता है। जब आवश्यक गुणों के अभाव में मेहनत करने वाले को सफलता नहीं मिलती तो कहा जाता है कि पिछले जन्म के कर्मों के कारण उसे सफलता नहीं मिली। तब व्यक्ति अपने भाग्य को अपनी असफलता का उत्तरदायी मानकर चुप बैठ जाता है। भाग्यवाद व्यक्ति को निराश, निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है। अगर असफलता के कारणों को ढूंढा जाए और पुरुषार्थी बनकर उस काम को फिर से करने का संकल्प किया जाए तो असफलता के कारणों से बचने की सूझ आती है और व्यक्ति सफल हो सकता है।

Ans. 1) भाग्य पर विश्वास करनेवालों का क्या दावा है ?
2) व्यक्ति कब दुखी हो उठता है ?
3) कब सफलता मिलना संभव नहीं होता ?
4) भाग्यवाद मनुष्य को क्या बना देता है ?

(आ) (1) वृत्तांत लेखन - **(5)**

टैगोर विद्यालय, पुणे में मनाए गए वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आँखों देखा हाल लिखिए।

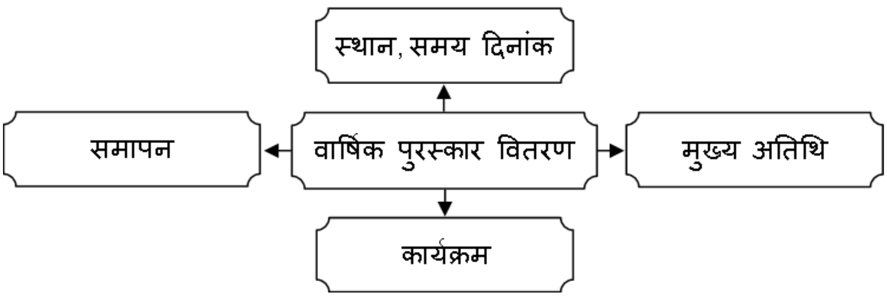

Ans. .

अथवा

कहानी लेखन - **(5)**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

गाँव में लड़कियाँ - सभी पढ़ने में होशियार - गाँव में पानी का अभाव - लड़कियों का घर के कामों में सहायता करना - बहुत दूर से पानी लाना - पढ़ाई के लिए कम समय मिलना - लड़कियों का समस्या पर चर्चा करना - समस्या सुलझाने का उपाय खोजना - गाँववालों की सहायता से प्रयोग करना - सफलता पाना - शीर्षक।

Ans. .

(2) विज्ञापन लेखन - **(5)**

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए।

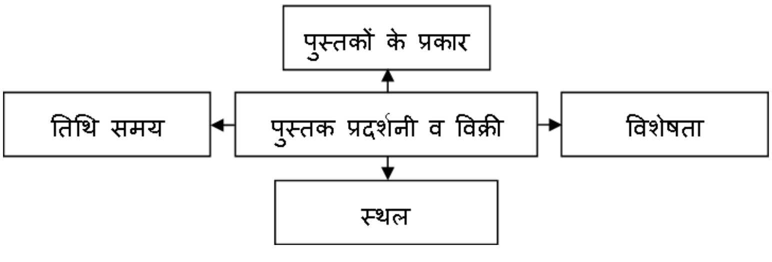

Ans. .

(इ) निबंध लेखन - **(7)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

(1) मेरी अविस्मरणीय यात्रा

Ans. .

(2) सह – शिक्षा

Ans. .

(3) भारतीय किसान की आत्मकथा

Ans. .